IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के मूल्यों का अध्ययन

षषि चौधरी

सारांष

प्रस्तुत शोध अध्ययन में षिक्षकों के विभिन्न मूल्यों जैसे – धार्मिक, सामाजिक, लोकतान्त्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखवादी, षक्ति, परिवार–प्रतिष्ठा और स्वास्थ्य मूल्यों का शिक्षण अनुभवके प्रथम वर्ग (5 वर्ष से कम शिक्षण अनुभव), द्वितीय वर्ग (5–15वर्ष का शिक्षण अनुभव), तृतीय वर्ग (16–25 वर्ष का शिक्षण अनुभव), चतुर्थ वर्ग (25 वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव) के सन्दर्भ में अध्ययन किया गया है।

प्रस्तावना

मूल्य आदर्शात्मक व्यवहार होते हैं। व्यक्ति के प्रत्येक कार्य या व्यवहार को उसके मूल्य प्रभावित करते हैं मूल्य अधिगमित होते हैं इसलिए देश, काल एवं परिस्थिति के अनुसार मूल्य परिवर्तित होते हैं। मूल्य समाज द्वारा स्वीकृत होते हैं।मूल्य अनुभवों के विकसित व परिपक्व होने के साथ–साथ विकसित तथा परिपक्व होते हैं। मूल्य किसी वस्तु या स्थिति का वह गुण है जो समालोचना का वरीयता प्रकट करता है।

समस्या कथन

शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ में शिक्षकों के मूल्यों का अध्ययन।

अध्ययन के उद्देश्य

- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के मूल्यों का अध्ययन करना।
- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के धार्मिक मूल्य का अध्ययन करना।
- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के सामाजिक मूल्य का अध्ययन करना।
- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य का अध्ययन करना।
- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का अध्ययन करना।
- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के आर्थिक मूल्य का अध्ययन करना।
- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य का अध्ययन करना।
- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के सुखवादी मूल्य का अध्ययन करना।
- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के शक्ति मूल्य का अध्ययन करना।
- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के परिवार–प्रतिष्ठा मूल्य का अध्ययन करना।

- शिक्षण अनुभवके सन्दर्भ मे शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य का अध्ययन करना।

परिकल्पनाऐं–

- 1. शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के विभिन्न मूल्यों में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- 1.1 शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के धार्मिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- 1.2 शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सामाजिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- 1.3 शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- 1.4 शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- 1.5 शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के आर्थिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- 1.6 शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- 1.7 शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सुखवादी मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- 1.8 शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के शक्ति मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- 1.9 शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के परिवार–प्रतिष्ठा मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- 1.10 शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

'शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के विभिन्न मूल्यों के अन्तर की सार्थकता का प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या –

शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग (5 वर्ष से कम शिक्षण अनुभव), द्वितीय वर्ग (5–15वर्ष का शिक्षण अनुभव), तृतीय वर्ग (16–25 वर्ष का शिक्षण अनुभव), चतुर्थ वर्ग (25 वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव) के सन्दर्भ में शिक्षकों के विभिन्न मूल्यों में अन्तर की सार्थकता का विश्लेषण एवं व्याख्याइस प्रकार प्रस्तुत है।

तालिका 1–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के धार्मिक मूल्य में अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	12ण्05	2ण्91
5–15 वर्ष	433	12ण्04	2ण्69
16–25 वर्ष	101	11ण्64	2ण्55
25 वर्ष से अधिक	14	9ण्35	2ण्20

तलिका 1 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य का माध्य 12.05 एवं मानक विचलन 2.91, द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य का माध्य 12.04 एवं मानक विचलन 2.69, तृतीय वर्ग के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य का माध्य 11.64 एवं मानक विचलन 2.55 तथा चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य का माध्य 9.35 व मानक विचलन 2.20 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन 2.91 शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य का पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 2.20 शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों

के धार्मिक मूल्य का पाया गया है। शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) तालिका 2 द्वारा ज्ञात किया गया है।

तालिका 2–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के धार्मिक मूल्य के अन्तर का एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।)

ैवनतबम वf टंतपंदबम	ेनउ वf ेुनंतमे ;ैैद्ध	कf	७ .तंजपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम क्पिमितमदबम
।उवदह ळतवनच टंतपंदबम	110ण418	3	4ण89	0ण05 2ण61	सार्थक अन्तर है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	5992ण681	796			

तालिका 2से ज्ञात होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के धार्मिक मूल्य का एफ–मूल्य 4.89 प्राप्त हुआ है। एफ का सारणी मूल्य 0.05 स्तर पर 2.61 है। प्राप्त एफ–मूल्य सारणी मूल्य से अधिक है। अतः प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **उप–परिकल्पना 1.1** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के धार्मिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' अस्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य में भिन्नता होती है। प्रथम वर्ग एवं द्वितीय वर्ग के शिक्षकों में सर्वाधिक धार्मिक मूल्य पाया जाता है। जबकि चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों में धार्मिक मूल्य अन्य वर्गों की तुलना में सर्वाधिक कम है।

तालिका 3–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सामाजिक मूल्य में अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	7ण16	2ण67
5–15 वर्ष	433	7ण97	2ण63
16–25 वर्ष	101	8ण27	2ण82
25 वर्ष से अधिक	14	8ण00	2ण90

तालिका 3 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य का माध्य 7.16 एवं मानक विचलन 2.67, द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य का माध्य 7.97 एवं मानक विचलन 2.63, तृतीय वर्ग के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य का माध्य 8.27 एवं मानक विचलन 2.82 तथा चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य का माध्य 8 व मानक विचलन 2.90 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन 2.90 चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों

के सामाजिक मूल्य में पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 2.63 द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य में पाया गया है।

शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) तालिका 4. द्वारा ज्ञात किया गया है।

तालिका 4.–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सामाजिक मूल्य के अन्तर का एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।)

ैवनतबम वि टंतपंदबम	ेनउ वि ेुनंतमे ;ैद्ध	कि	थ् .त्जपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम क्पमितमदबम
।उवदह ळतवनच टंतपंदबम	138ण10	3	6ण42	0ण05 2ण61	सार्थक अन्तर है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	5706ण33	796			

तालिका 4.से ज्ञात होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य का एफ–मूल्य 6.42 प्राप्त हुआ है। एफ का सारणी मूल्य 0.05 स्तर पर 2.61 है। प्राप्त एफ–मूल्य सारणी मूल्य से अधिक है। अतः प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **उप–परिकल्पना 1.2** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सामाजिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' अस्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों का सामाजिक मूल्य में भिन्नता होती है। तृतीय वर्ग एवं चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों में सर्वाधिक सामाजिक मूल्य पाया जाता है जबकि प्रथम वर्ग एवं द्वितीय वर्ग के शिक्षकों में सामाजिक मूल्य अन्य वर्गों की तुलना में सर्वाधिक कम है।

तालिका 5–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य में अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	11ण01	3ण33
5–15 वर्ष	433	10ण92	3ण17
16–25 वर्ष	101	11ण00	3ण30
25 वर्ष से अधिक	14	11ण50	2ण62

तालिका 5 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य का माध्य 11.01 एवं मानक विचलन 3.33, द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य का माध्य 10.92 एवं मानक विचलन 3.17, तृतीय वर्ग के शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य का माध्य 11 एवं मानक विचलन 3.30 तथा चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य का माध्य 11.50 व मानक विचलन 2.62 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन 3.33 शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य का पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 2.62 शिक्षण अनुभव के चतुथ वर्ग के शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य का पाया गया है। शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) तालिका 6 द्वारा ज्ञात किया गया है।

तालिका 6–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य के अन्तर का एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।)

ै वनतबम वि टंतपंदबम	ैनउ वि ैुनंतमे ;ैैद्ध	कि	थ् .तंजपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम क्पमितमदबम
।उवदह ळतवनच टंतपंदबम	5ण्57	3	0ण्177	0ण्05 2ण्61	सार्थक अन्तर नहीं है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	8340ण्76	796			

तालिका 6 से ज्ञात होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य का एफ–मूल्य 0. 177 प्राप्त हुआ है। एफ का सारणी मूल्य 0.05 स्तर पर 2.61 है। प्राप्त एफ–मूल्य सारणी मूल्य से कम है। अतः प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **उप–परिकल्पना 1.3** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के लोकतान्त्रिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' स्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों में लोकतान्त्रिक मूल्य समान होता है।

तालिका 7–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य में अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	11ण्98	2ण्65
5–15 वर्ष	433	11ण्72	2ण्47
16–25 वर्ष	101	12ण्47	1ण्89
25 वर्ष से अधिक	14	12ण्35	2ण्49

तालिका 7 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का माध्य 11.98 एवं मानक विचलन 2.65, शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का माध्य 11.72 एवं मानक विचलन 2.47, शिक्षण अनुभव के तृतीय वर्ग के शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का माध्य 12.47 एवं मानक विचलन 1.89 तथा शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का माध्य 12.35 एवं मानक विचलन 2.49 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन 2.65 शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 1.89 शिक्षण अनुभव के तृतीय वर्ग के शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का पाया गया है। शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) तालिका 8 द्वारा ज्ञात किया गया है।

तालिका 8–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य के अन्तर का एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।)

ैवनतबम वि टंतपंदबम	ैनउ वि़्नंतमे ;ैेद्ध	कि	थ्. त्ंजपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम स्मअमस
।उवदहळतवनच टंतपंदबम	51ण्61	3	2ण्82	0ण्05 2ण्61	सार्थक अन्तर है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	4855ण्08	796			

तालिका 8 से ज्ञात होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का एफ–मूल्य 2.82 प्राप्त हुआ है जोसारणी मूल्य के0.01 स्तर से कम व 0.05 स्तर से अधिक है। अतः प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **उप–परिकल्पना 1.4** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' अस्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों का सौन्दर्यात्मक मूल्य में भिन्नता होती है। तृतीय वर्ग एवं चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों में सर्वाधिक सौन्दर्यात्मक मूल्य पाया जाता है जबकि प्रथम वर्ग एवं द्वितीय वर्ग के शिक्षकों में सामाजिक मूल्य अन्य वर्गों की तुलना में सर्वाधिक कम है।

तालिका 9—शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के आर्थिक मूल्य में अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	15ण्13	2ण्91
5—15 वर्ष	433	15ण्12	2ण्92
16—25 वर्ष	101	15ण्38	2ण्89
25 वर्ष से अधिक	14	14ण्71	2ण्81

तालिका 9 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य का माध्य 15.13 एवं मानक विचलन 2.91, शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य का माध्य 15.12 एवं मानक विचलन 2.92, शिक्षण अनुभव के तृतीय वर्ग के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य का माध्य 15.38 एवं मानक विचलन 2.89 तथा शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य का माध्य 14.71 एवं मानक विचलन 2.81 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन 2.92 शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य का पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 2.81 शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य का पाया गया है। शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक—दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) तालिका 10 द्वारा ज्ञात किया गया है।

तालिका 10—शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के आर्थिक मूल्य के अन्तर का एक—दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।)

ैवनतबम वf टंतपंदबम	ेनउ वf ेुनंतमे ;ैद्ध	कf	थ् . तंजपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम क्पिमितमदबम
।उवदह ळतवनच टंतपंदबम	8ण्63	3	0ण्339	0ण्05 2ण्61	सार्थक अन्तर नहीं है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	6763ण्44	796			

तालिका 10 से ज्ञात होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य का एफ—मूल्य 0.339 प्राप्त हुआ है। एफ का सारणी मूल्य 0.01 स्तर पर 3.80 तथा 0.05 स्तर पर 2.61 है। प्राप्त एफ—मूल्य सारणी मूल्य से कम है। अतः प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **उप—परिकल्पना 1.5** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के आर्थिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' स्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों का आर्थिक मूल्य समान होता है।

तालिका 11–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य में अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	10ण्75	2ण्88
5–15 वर्ष	433	10ण्79	2ण्94
16–25 वर्ष	101	10ण्87	3ण्22
25 वर्ष से अधिक	14	10ण्50	3ण्43

तालिका 11 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य का माध्य 10.75 एवं मानक विचलन 2.88, शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य का माध्य 10.79 एवं मानक विचलन 2.94, शिक्षण अनुभव के तृतीय वर्ग के शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य का माध्य 10.87 एवं मानक विचलन 3. 22 तथा शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य का माध्य 10.50 एवं मानक विचलन 3.43 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन 3.43 शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य का पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 2.88 शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य का पाया गया है।

शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) तालिका 12 द्वारा ज्ञात किया गया है।

तालिका 12–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य के अन्तर का एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।)

ैवनतबम वि टंतपंदबम	ैनउ विैुनंतमे ;ैैद्ध	कि	थ् .तंजपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम क्पमितमदबम
।उवदह ळतवनच टंतपंदबम	2ण्23	3	0ण्085	0ण्05 2ण्61	सार्थक अन्तर नहीं है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	7020ण्78	796			

तालिका 12 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य का एफ–मूल्य 0.085 प्राप्त हुआ है। एफ का सारणी मूल्य 0.01 स्तर पर 3.80 तथा 0.05 स्तर पर 2.61 है। प्राप्त एफ–मूल्य सारणी मूल्य से कम है।अतः प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **उप–परिकल्पना 1.6** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के ज्ञानात्मक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' स्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों का ज्ञानात्मक मूल्य समान होता है।

तालिका 13– शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सुखवादी मूल्य में अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	14ण्07	3ण्06
5–15 वर्ष	433	14ण्46	2ण्66
16–25 वर्ष	101	14ण्01	2ण्91
25 वर्ष से अधिक	14	13ण्85	2ण्87

तालिका 13 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के सुखवादी मूल्य का माध्य 14.07 एवं मानक विचलन 3.06, शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के सुखवादी मूल्य का माध्य 14.46 एवं मानक विचलन 2.66, शिक्षण अनुभव के तृतीय वर्ग के शिक्षकों के सुखवादी मूल्य का माध्य 14.01 एवं मानक विचलन 2.91 तथा शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के सुखवादी मूल्य का माध्य 13.85 व मानक विचलन 2.87 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन 3.06 शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के सुखवादी मूल्य का पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 2.66 शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के सुखवादी मूल्य का पाया गया है। शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के सुखवादी मूल्य के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) तालिका 14 द्वारा ज्ञात किया गया है।

तालिका 14–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सुखवादी मूल्य के अन्तर का एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।)

ैवनतबम वि टंतपंदबम	ेनउ वि ेुनंतमे ;ैद्ध	कि	थ् .तंजपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम क्पिमितमदबम
।उवदह ळतवनच टंतपंदबम	3ण्30	3	0ण्137	0ण्05 2ण्61	सार्थक अन्तर नहीं है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	6388ण्11	796			

तालिका 14 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के सुखवादी मूल्य का एफ–मूल्य 0.137 प्राप्त हुआ है। एफ का सारणी मूल्य 0.01 स्तर पर 3.80 तथा 0.05 स्तर पर 2.61 है। प्राप्त एफ–मूल्य सारणी मूल्य से कम है। अतः प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **उप–परिकल्पना 1.7** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के सुखवादी मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' स्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों का सुखवादी मूल्य समान होता है।

तालिका 15–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के शक्ति मूल्य में अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	15ण्20	2ण्95
5–15 वर्ष	433	14ण्91	2ण्84
16–25 वर्ष	101	14ण्63	2ण्75
25 वर्ष से अधिक	14	13ण्42	2ण्34

तालिका 15 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के शक्ति मूल्य का माध्य 15.20 एवं मानक विचलन 2.95, शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के शक्ति मूल्य का माध्य 14.91 एवं मानक विचलन 2.84, शिक्षण अनुभव के तृतीय वर्ग के शिक्षकों के शक्ति मूल्य का माध्य 14.63 एवं मानक विचलन 2.75 तथा शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के शक्ति मूल्य का माध्य 13.42 व मानक विचलन 2.34 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन 2.95 शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के शक्ति मूल्य का पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 2.34 शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के शक्ति मूल्य का पाया गया है। शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के शक्ति मूल्य के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) तालिका 16 द्वारा ज्ञात किया गया है।

तालिका 16–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के शक्ति मूल्य के अन्तर का एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।)

ैवनतबम वि टंतपंदबम	ैनउ वि ैुनंतमे ;ैैद्ध	कि	थ् . तंजपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम क्पमितमदबम
।उवदह ळतवनच टंतपंदबम	58ण्96	3	2ण्40	0ण्05 2ण्61	सार्थक अन्तर नहीं है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	6515ण्72	796			

तालिका 16 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के शक्ति मूल्य का एफ–मूल्य 2.40 प्राप्त हुआ है। एफ का सारणी मूल्य 0.01 स्तर पर 3.80 तथा 0.05 स्तर पर 2.61 है। प्राप्त एफ–मूल्य सारणी मूल्य से कम है। अतः प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **उप–परिकल्पना 1.8** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के शक्ति मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' स्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों का शक्ति मूल्य समान होता है।

तालिका 17—शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य में अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	13ण12	3ण02
5—15 वर्ष	433	12ण76	2ण75
16—25 वर्ष	101	11ण90	2ण63
25 वर्ष से अधिक	14	13ण35	3ण36

तालिका 17 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य का माध्य 13. 12 एवं मानक विचलन 3.02, शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य का माध्य 12.76 एवं मानक विचलन 2.75, शिक्षण अनुभव के तृतीय वर्ग के शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य का माध्य 11.90 एवं मानक विचलन 2.63 तथा शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य का माध्य 13.35 व मानक विचलन 3.36 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन 3.36 शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य का पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 2.63 शिक्षण अनुभव के तृतीय वर्ग के शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य का पाया गया है। शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक—दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) तालिका 18 द्वारा ज्ञात किया गया है।

तालिका 18—शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य के अन्तर का एक—दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।)

ैवनतबम व टंतपंदबम	ैनउ व ित्नंतमे ;ैद्ध	कि	थ्.त्ंजपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम क्पििमतमदबम
।उवदह ळतवनच टंतपंदबम	143ण06	3	5ण92	0ण05 2ण61	सार्थक अन्तर है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	6410ण13	796			

तालिका 18 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य का एफ—मूल्य 5.92 प्राप्त हुआ है। एफ का सारणी मूल्य 0.05 स्तर पर 2.61 है। प्राप्त एफ—मूल्य सारणी मूल्य से अधिक है। अतः प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **उप—परिकल्पना 1.9** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' अस्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों का परिवार—प्रतिष्ठा मूल्य में भिन्नता होती है। प्रथम वर्ग एवं चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों में सर्वाधिक

सामाजिक मूल्य पाया जाता है जबकि तृतीय वर्ग के शिक्षकों में परिवार–प्रतिष्ठा मूल्य अन्य वर्गों की तुलना में सबसे कम है।

तालिका 19–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य में अन्तर की सार्थकता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

शिक्षण अनुभव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
5 वर्ष से कम	252	8ण्68	2ण्57
5–15 वर्ष	433	8ण्66	2ण्71
16–25 वर्ष	101	8ण्40	2ण्61
25 वर्ष से अधिक	14	10ण्21	2ण्48

तालिका 19 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के प्रथम वर्ग के शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य का माध्य 8.68 एवं मानक विचलन 2.57, शिक्षण अनुभव के द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य का माध्य 8.66 एवं मानक विचलन 2.71, शिक्षण अनुभव के तृतीय वर्ग के शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य का माध्य 8.40 एवं मानक विचलन 2.61 तथा शिक्षण अनुभव के चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य का माध्य 10.21 व मानक विचलन 2.48 प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक विचलन 2.71 द्वितीय वर्ग के शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य का पाया गया है तथा सबसे कम विचलन 2.48 चतुर्थ वर्ग के शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य का पाया गया है। शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य के अन्तर की सार्थकता जाँच करने हेतु एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।) तालिका 20 द्वारा ज्ञात किया गया है।

तालिका 20–शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य के अन्तर का एक–दिश प्रसरण विश्लेषण (।छव्ट।)

ैवनतबम वि टंतपंदबम	ैनउ वि ुनंतमे ;ैैद्ध	कि	थ्. तंजपव	ज्ंइसम टंसनम	ैपहदपपिबंदबम क्पमितमदबम
।उवदह ळतवनच टंतपंदबम	40ण्46	3	1ण्91	0ण्05 2ण्61	सार्थक अन्तर नहीं है।
ॅपजीपद ळतवनच टंतपंदबम	5601ण्76	796			

तालिका 20 से स्पष्ट होता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य का एफ–मूल्य 1.91 प्राप्त हुआ है। एफ का सारणी मूल्य 0.01 स्तर पर 3.80 तथा 0.05 स्तर पर 2.61 है। प्राप्त एफ–मूल्य सारणी मूल्य से कम है। प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **उप–परिकल्पना 1.10** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के स्वास्थ्य मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' स्वीकृत होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि शिक्षण अनुभव के चारों वर्गों के शिक्षकों का स्वास्थ्य मूल्य समान होता है।

अतः विभिन्न मूल्यों के विश्लेषण के आधार पर **परिकल्पना 1** ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के मूल्यों में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।''आंशिक रूप से स्वीकृत होती है क्योंकि शिक्षकों के धार्मिक, सामाजिक, सौन्दर्यात्मक एवं परिवार–प्रतिष्ठा मूल्यों में सार्थक अन्तर पाया गया है तथा लोकतान्त्रिक, आर्थिक, ज्ञानात्मक, सुखवादी, षक्ति व स्वास्थ्य मूल्यों मे सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

→ गुप्ता, मंजू, भारत में शिक्षा प्रणाली का विकास, के. एस. के. पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स, अंसारी रोड़, नई दिल्ली–110002।

→ पचौरी गिरीश, शिक्षा के दार्शनिक सिद्धान्त, लॉयल बुक डिपो, मेरठ–2006।

→ मिश्र करूणा शंकर, शिक्षा मनोविज्ञान के नये क्षितिज, अनुभव पब्लिशिंग हाउस इलाहाबाद–211006।

→ मंगल एस. के. (2008), शिक्षा मनोविज्ञान, प्रैन्टीक हॉल ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।

→ माथुर एस. एस., शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा–1986।

→ लाल रमन बिहारी, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, रस्तोगी पब्लिकेशन्स, मेरठ–250102।

→ विजया लक्ष्मी गहाली (2006), प्रायरटाइजेशन ऑफ सैकण्डरी स्कूल चिल्ड्रन्स वैल्यूज बाई देअर पेरेन्ट्स एण्ड टीचर्स, एजुट्रैक नीलकमल प्रकाशन, हैदराबाद पृष्ठ–34–38।

→ सक्सेना राधारानी, शर्मा गोपीनाथ एवं शास्त्री इना, उभरते हुये भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षक, क्लासिक पब्लिकेशन्स, जयपुर।

→ सिंह मनोज कुमार, शिक्षा और समाज, आदित्य पब्लिशर्स, बीना (म. प्र.) –2000।

→ सुरेश के. जे. एवं वी. पी. जोशी (2008), जनरल ऑफ कम्यूनिटी गाइडेंस एण्ड रिसर्च, नीलकमल पब्लिकेशन्स, हैदराबाद, वोल्यूम–7, पृष्ठ–57–61।

→ शर्मा, आर. ए. शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक मूल आधार, विनय रखेजा आर. लाल. बुक डिपो. मेरठ–250001।